K. Nand M.A 4th Sem (1)

आधार पर संगठनों को व्यवसायानुकूल नीति निर्माण में बहुत हद तक सहूलियतें होती हैं। इसके माध्यम से उद्योगों या संगठनों में कार्यरत मानव संसाधनों के विकासात्मक आवश्यकताओं, क्षमताओं तथा परिसीमाओं का सही-सही आकलन किया जाता है और व्यापक दृष्टिकोण से किया जाता है कि कार्यरत मानव बल का संगठनात्मक विकास कहाँ और किस हद तक किया जा सकता है।

मानव संसाधन विकास का मूलाधार इस परिकल्पना पर आधारित है कि मानव संसाधन अंकेक्षण प्रक्रिया हर बदलते परिस्थिति में अपनी गत्यात्मकता और ऊर्जा को बनाये रखेगा। यह प्रक्रिया मात्र कालबद्ध समस्या समाधान का अभ्यास नहीं है। आर्थिक अंकेक्षण की तरह मानव संसाधन अंकेक्षण भी वर्तमान एवं भविष्य की समस्यों के समाधान हेतु सूझ विकसित करने में सहायक होता है।

मानव संसाधन अंकेक्षण से प्राप्त परिणाम संगठन या उद्योग के निति निर्धारण के लिए हैं और मात्र आन्तरिक उपयोग के लिए है न कि सार्वजनिक प्रकटीकरण के लिए। आर्थिक अंकेक्षण से भिन्न यह नियमित कार्य नहीं है। इस अंकेक्षण की योजना संगठन या उद्योग अपनी आवश्यकतानुसार बनाते हैं न कि किसी वैधानिक बाध्यता के कारण।

मानव संसाधन अंकेक्षण के संप्रत्यय को स्पष्ट प्रदान करने हेतु "अमेरिकन अकाउंटिंग एसोसिएसन्स कमिटि ऑन ह्यूमन रिसोर्स अकाउंटिंग (1973) (American Accounting Association Committee on Human Resource Accounting 1973) परिभाषित करते हुए कहा है कि—"The process of identifying and measuring data about human Resource and communicating this information to interested parties. अर्थात् मानव संसाधन के संबंध में अपेक्षित प्रदत्त प्राप्त करना और चिन्हित करके